पाठ्यक्रम : हिमाचल प्रदेश की 10+2 की बारहवीं कक्षा के विषय के समान ।

शास्त्री / विशिष्ट शास्त्री प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र : व्याकरण

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 व्याकरण : सिद्धान्त कौमुदी भट्टोजिदीक्षित कृत के निम्नलिखित प्रकरण:

क – संज्ञा, परिभाषा तथा सन्धि प्रकरण	18 (20)	अंक
ख– षड्लिङ्ग प्रकरण	25 (30)	अंक
ग– कारक प्रकरण	16 (20)	अंक
घ– समास	15 (20)	अंक
ङ– स्त्रीप्रत्यय	6 (10)	अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

द्वितीय पत्र : साहित्य, अलंकारशास्त्र,अनुवाद तथा निबन्ध

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

क– पद्य– भारवि कृत किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग	12 (15)	अंक
ख– गद्य– शिवराज विजयम् प्रथम निश्वास	10 (10)	अंक
ग – नाटक– अभिज्ञानशाकुन्तलम् 1 से 4 अंक	20 (25)	अंक
घ– साहित्यदर्पण 1–2 परिच्छेद	18 (20)	अंक
ङ– अनुवाद– हिन्दी से संस्कृत	10 (15)	अंक
च– निबन्ध– 200 से 250 तक शब्दों का स्वरचित संस्कृत में विवरणात्मक निबन्ध	10 (15)	अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

तृतीय पत्र : दर्शन (संस्कृत)

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

कर्णादिगौतमीयम् पं0 विश्वनाथ कृत 80 (100) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

चतुर्थ पत्र : वेद तथा ज्योतिष (संस्कृत)

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

क– वेद –रुद्रष्टाध्यायी 40 (50) अंक
ख– अवक होरा चक 15 (20) अंक
ग– बृहज्जातक 1–2 अभ्यास 25 (30) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

पंचम पत्र : अंग्रेजी

पाठ्यक्रम: हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की बी0ए0 प्रथम वर्ष के अंग्रेजी विषय के समान ।

षष्ट पत्र : अतिरिक्त ऐच्छिक

विषय : हिन्दी / इतिहास अथवा राजनीति शास्त्र ।

पाठ्यक्रम : हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की बी0ए0 प्रथम वर्ष के हिन्दी / इतिहास अथवा राजनीति शास्त्र विषय के समान ।

शास्त्री / विशिष्ट शास्त्री द्वितीय वर्ष

प्रथम पत्र : व्याकरण

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

व्याकरण : सिद्धान्त कौमुदी भट्टोजिदीक्षित कृत के निम्नांकित प्रकरण

क	गणपाठ	40 (50) अंक
ख	प्रक्रियाभाग	25 (30) अंक
ग	वैदिक प्रक्रियाएं	15 (20) अंक

पाठ्य विषय तथा अंक–विभाजन

क	गणपाठ –	1 रूप सिद्धियाँ	20 (25) अंक
		2 सूत्र व्याख्या	12 (15) अंक
		3 रूपावली	8 (10) अंक
ख	प्रक्रियाभाग	1 रूप सिद्धियाँ	15 (20) अंक
		2 सूत्र व्याख्या	10 (10) अंक
ग	वैदिक प्रक्रियाएं	10 में से 5 रूप सिद्धियाँ	15 (20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करे ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

द्वितीय पत्र साहित्य और काव्यनाटक

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	कादम्बरी : कथामुख	25(30) अंक
2	शिशुपालवध : 1 और 2 सर्ग	15(20) अंक
3	उत्तररामचरितम्	25(30) अंक
4	अनुवाद हिन्दी से संस्कृत में	15(20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करे ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

तृतीय पत्र : वेद और निरुक्त

पूर्णांक
रेगुलर — 80
प्राईवेट — 100

क ऋग्वेद I--85, 154 , II -59,IV-51,V-83,VI-53, VII-49,54,86,103,X-34,90,121,125, 127,168

ख
1– निरुक्त : अध्याय 1,2 और 7 — 40 (50) अंक
2 – वैदिक साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त रूपरेखा — 25 (30) अंक
15 (20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश –

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

चतुर्थ पत्र : विशेषाध्ययन

पूर्णांक
रेगुलर — 80
प्राईवेट — 100

क वेद : निरुक्त, व्याकरण, आरण्यक तथा उपनिषद्

1– निरुक्त : अध्याय 3,4,5 तथा 6 — 20 (25) अंक
2– वैदिक व्याकरण — 20 (25) अंक
3– तैत्तिरीय आरण्यक : आरण्यक -2 — 20 (25) अंक
4– उपनिषद् : मुण्डक तथा प्रश्न — 20 (25) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :-

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

ख दर्शन

पूर्णांक
रेगुलर — 80
प्राईवेट — 100

1– सांख्यकारिका – ईश्वर कृष्णकृत । गौड़पाद भाष्यसहित — 40 (50) अंक
2– योगसार संग्रह–विज्ञानभिक्षु — 40 (50) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :-

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

ग ज्योतिष

पूर्णांक
रेगुलर -- 80
प्राईवेट -- 100

1-- सिद्धान्त तथा फलित ज्योतिष 40 (50) अंक
2-- तान्त्रिकनीलकण्ठी । प्रथम तन्त्र 40 (50) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :--

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जाये

घ धर्मशास्त्र तथा अर्थशास्त्र

पूर्णांक
रेगुलर -- 80
प्राईवेट -- 100

1- मनुस्मृति अध्याय 2--7 25 (30) अंक
2- याज्ञवल्क्यस्मृति आचाराध्याय 25 (30) अंक
3-- निर्णयसिन्धु--परिच्छेद 3 15 (20) अंक
4- भास्कर गृह्यसूत्र -- केवल अधालिखित प्रकरण
विवाह विधि, नामकरण, उपनयन,पंचमहायज्ञविधि 15 (20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :--

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों मे दो विकल्प दिए जाये

पंचम पत्र : अंग्रेजी
पाठ्यक्रम- हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की बी0ए0 द्वितीय वर्ष के अंग्रेजी विषय के समान

षष्ठ पत्र : अतिरिक्त ऐच्छिक
विषय : हिन्दी, इतिहास, अथवा राजनीति शास्त्र ।
पाठ्यक्रम : हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की बी0ए0द्वितीय वर्ष के हिन्दी /इतिहास अथवा राजनीति शास्त्र के समान ।

शास्त्री / विशिष्ट शास्त्री तृतीय वर्ष

प्रथम पत्र : व्याकरण

पूर्णांक
रेगुलर -- 80
प्राईवेट -- 100

व्याकरण : सिद्धान्त (भट्टोजिदीक्षित कृत) के निम्न प्रकरण .

क कृदन्त 25 (30) अंक
ख उणादि प्रकरण 25 (30) अंक
ग तद्धित प्रकरण 30 (40) अंक

अंक विभाजन तथा निर्देश

क	1	कृदन्त	10 में से 5 रूपों की सिद्धयॉ	15 (20) अंक
	2		4 में से 2 सूत्रो की व्याख्या	10 (10) अंक
ख	1	उणादि	10 में से 5 रूपों की सिद्धियॉ	15 (20) अंक
	2		4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	10 (10) अंक
ग	1	तद्धित	10 में से 5 रूपों की सिद्धियॉ	20 (25) अंक
	2		4 मे से 2 सूत्रों की व्याख्या	10 (15) अंक

विशेष : सूत्रों तथा सिद्धियो के अर्थ एवं उदाहरण तथा प्रत्युदाहरण से उनकी संगति अपेक्षित है ।

परीक्षक के लिए निर्देश :-

1. परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2. सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

द्वितीय पत्र :

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

साहित्य शास्त्र
काव्यप्रकाश

परीक्षक के लिए निर्देश :- 80 (100) अंक

1. परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अकों का उल्लेख कोष्ठों मे करें ।
2. सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

तृतीय पत्र : इतिहास, निबन्ध तथा अनुवाद

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

क संस्कृत साहित्य का इतिहास :
रामायण , महाभारत, काव्यनाटक,गद्य तथा कथा साहित्य

ख. निबन्ध : 35 (50) अंक
लगभग 500 शब्दों का स्वरचित संस्कृत मे निबन्ध

ग अनुवाद : 25 (30) अंक
हिन्दी से संस्कृत मे

परीक्षक के लिए निर्देश :- 20 (20) अंक

1. परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2. सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

तुर्थ पत्र : विशेषाध्ययन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

क वेद :

1. शुक्लयजुर्वेद । वाजसनेय माध्यन्दिन ।
अध्याय 31 से 40 , उवट तथा महर्षि दयानन्द कृत
भाष्य सहित 25 (35) अंक
2. अथर्ववेद : पृथ्वी सूक्त 15 (15) अंक

3	शतपथ ब्राह्मण : प्रपाठक 1--2	15 (20) अंक
4	याज्ञवल्कीय शिक्षा	10 (10) अंक
5	वैदिक व्याकरण – भाष्य से सम्बन्ध	15 (20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंको का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नो में दो विकल्प दिए जायें

ख दर्शन :

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	वेदान्त सार	
2	प्रत्यभिज्ञा हृदयम	30 (40) अंक
3	सर्वदर्शन संग्रह चार्वाक,बौद्ध तथा आर्हत–जैन दर्शन मात्र	25 (30) अंक
		25 (30) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जाये

ग ज्योतिष

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष सूर्यसिद्धान्त – सूर्यग्रहणान्त	
2	बृहज्जातक– 3 से अन्त तक	50 (60) अंक
		30 (40) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियो के लिए अंको का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

घ धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	अर्थशास्त्र सम्पूर्ण : (चाणक्य)	80 (100) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

पंचम पत्र : अंग्रेजी
पाठ्यक्रम – हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की बी0ए0 तृतीय वर्ष के अंग्रेजी विषय के समान ।

षष्ठ पत्र : अतिरिक्त ऐच्छिक
विषय : हिन्दी, इतिहास, अथवा राजनीति शास्त्र ।
पाठ्यक्रम : हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की बी0ए0
तृतीय वर्ष हिन्दी /इतिहास अथवा राजनीति
शास्त्र के समान ।

आचार्य

टिप्पणी : आचार्य परीक्षा का सम्पर्ण पाठ्यक्रम दो वर्षों का होगा । प्रत्येक वर्ष की परीक्षा प्रथम वर्ष के अन्त में तथा द्वितीय वर्ष की परीक्षा द्वितीय वर्ष के अन्त में होगी ।

वेदाचार्य – प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र : संहिता : ऋग्वेद तथा यजुर्वेद

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 ऋग्वेद –मण्डल । सूक्त – 20
सायण तथा दयानन्द रचित भाष्य सहित 40 (50) अंक
2 शुक्ल यजुर्वेद , माध्यन्दिन सहित अध्ययन
16,31,32,40–उव्वट तथा दयानन्द कृत भाष्य सहित 25 (30) अंक
3 कृष्ण यजुर्वेद एतैतिरीय
सायण भाष्य सहित 15 (20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–
1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

द्वितीय पत्र : अथर्व संहिता तथा ब्राह्मण

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 अथर्व संहिता, शौनकीय काण्ड–1 सूक्त–1,
काण्ड–4,सूक्त–2,काण्ड–6, सूक्त–64,
काण्ड–9,सूक्त–1,काण्ड–10,सूक्त–8,10
काण्ड–11,सूक्त–7, काण्ड–15,
सूक्त–1, काण्ड–19,सूक्त–1,14,15,53,54
सायण भाष्य सहित 30 (40) अंक
1 ऐतरेय ब्राह्मण–पंचिका,अध्याय 1–5
सायण भाष्य सहित 25 (30) अंक
2 माध्यन्दिन शतपथ ब्राह्मण–काण्ड–1 25 (30) अंक

रीक्षक के लिए निर्देश :—

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

तृतीय पत्र : सूत्र तथा अनुक्रमणीय साहित्य

पूर्णांक
रेगुलर — 80
प्राईवेट — 100

1	कात्यायन श्रौतसूत्र —अध्याय 1—4 कर्क भाष्य सहित	20 (25)	अंक
2	पारस्कर गृह्यसूत्र —खण्ड—1 कर्क भाष्य सहित	20 (25)	अंक
3	कौशिक सूत्र, अध्याय—10	5 (5)	अंक
4	कांतीय शुल्क—सूत्र अध्याय —1 अथवा कुण्डमण्डप विधि	15 (20)	अंक
5	बृहद् देवता— अध्याय —1	20 (25)	अंक

रीक्षक के लिए निर्देश :—

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जाये

तुर्थ पत्र : आरण्यक तथा उपनिषद्

पूर्णांक
रेगुलर — 80
प्राईवेट — 100

तरेय आरण्यक—आरण्यक—1, अध्याय 1—2, सायण भाष्य सहित		12 (15)	अंक
1	तैतिरीय आरण्यक—प्रपाठक—2 सायण भाष्य सहित	12 (15)	अंक
3	ऐतरेय उपनिषद् शांकर भाष्य सहित	12 (15)	अंक
4	बृहदारण्यक उपनिषद्— अध्याय — 4, शांकर भाष्य सहित	12 (15)	अंक
5	तैतिरीय उपनिषद्—ब्रह्मानन्द तथा भृगुवल्ली शांकर भाष्य सहित	8 (10)	अंक
6	छादोग्य उपनिषद् - अध्याय—3,6 शांकर भाष्य सहित	12 (15)	अंक
7	माण्डूक्य उपनिषद् शांकर भाष्य सहित	12 (15)	अंक

रीक्षक के लिए निर्देश :—

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

वेदाचार्य–द्वितीय वर्ष

पंचम पत्र : वेदांग : निरुक्त

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

यास्क : निरुक्त – सम्पूर्ण
दुर्ग भाष्य सहित — 80 (100) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करे ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जाये

षष्ठ पत्र : व्याकरण , शिक्षा तथा छन्द

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 सिद्धान्त कौमदी – वैदिकी प्रकिया — 20 (25) अंक
2 सिद्धान्त कौमदी – स्वर प्रकरण — 30 (35) अंक
3 वैदिक छन्द – प्रियक –छन्द : शास्त्र अथवा ऋक्–प्रतिशाख्य, पटल 16 से — 15 (20) अंक
4 याज्ञवल्क्य–शिक्षा — 15 (20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करे ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

सप्तम पत्र : निबन्ध तथा व्युत्पति

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 निबन्ध : किसी वैदिक विषय से सम्बन्धित — 50 (70) अंक
2 व्युत्पति –वैदिक व्याकरण ,स्वर,पदपाठ, छन्द आदि के ज्ञान का परीक्षण — 30 (30) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करे ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

अष्टम पत्र – वैदिक साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 वैदिक साहित्य का इतिहास 50 (60) अंक
2 वेदाध्याय की आधुनिक परम्परा 30 (40) अंक

क्षक के लिए निर्देश

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

व्याकरणाचार्य – प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र : व्याकरण दर्शन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

व्याकरण भूषणसार,कौण्डिन्य भट्ट 80 (100)

शिक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

द्वितीय पत्र : व्याकरण परिभाषा

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

परिभाषेन्दुशेखर,नागेश भट्ट 80 (100)

क्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

तृतीय पत्र : प्राचीन व्याकरण

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

महाभाष्य प्रथम अध्याय प्रथम पाद,
नवाह्निक 80 (100)

क्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

चतुर्थ पत्र : नव्य व्याकरण

पूर्णांक
रेगुलर -- 80
प्राईवेट -- 100

लघुशब्देन्दु शेखर पंचाराम्ब्यन्त,नागेश भट्ट 80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :--

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियो के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

व्याकरणाचार्य - द्वितीय वर्ष

पंचम पत्र : प्राचीन व्याकरण

पूर्णांक
रेगुलर -- 80
प्राईवेट -- 100

काशिका 1--4 80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :--

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2. सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

षष्ठ पत्र : प्राचीन व्याकरण

पूर्णांक
रेगुलर -- 80
प्राईवेट -- 100

काशिका 5--6 80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश --

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों मे दो विकल्प दिए जायें ।

सप्तम पत्र : निबन्ध तथा व्युत्पत्ति

पूर्णांक
रेगुलर - 80
प्राईवेट - 100

1 निबन्ध व्याकरण विषय 40 (60) अंक
2 वाक्यपदीय -ब्रह्मकाण्ड 20 (20) अंक
3 व्युत्पत्ति ,व्याकरण विषय 20 (20) अंक

अष्टम पत्र : व्याकरण इतिहास तथा उणादिगण

पूर्णांक
रेगुलर - 80
प्राईवेट - 100

1 व्याकरण शास्त्र का इतिहास 40(60) अंक
2 उणादिगण पाठ 40(40) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश --

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

दर्शनाचार्य – प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र : न्यायदर्शन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

न्यायसूत्र- वात्स्यायन भाष्य सहित 80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करे ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

द्वितीय पत्र : वैशेषिक दर्शन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

वैशेषिक दर्शन-उपस्कार सहित 80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करे ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

तृतीय पत्र : सांख्य तथा प्रत्यभिज्ञान- दर्शन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

सांख्यदर्शन :विज्ञान भिक्षु अथवा उदयवीर
शास्त्रीकृत विवोदय भाष्य सहित 50/70 अंक

दर्शनाचार्य – द्वितीय वर्ष

पंचम पत्र : वेदान्त दर्शन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	ब्रह्मसूत्र प्रथम अध्याय,शांकर भाष्य सहित	40 (60)अंक
2	ब्रह्मसूत्र: शेषभाग शांकर भाष्य सहित अथवा उदयवीर शास्त्रीय विद्योदय भाष्य सहित	40 (40) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

षष्ठ पत्र: मीमांसा तथा अन्य दर्शन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	अर्थ–संग्रह,लौगाक्षिभास्करकृत	30(40) अंक
2	सर्वदर्शन–संग्रह–प्रकरण 1–7,चार्वाक,बौद्ध, आर्हत,रामानुज, पूर्णप्रज्ञ,पाशुपत तथा शैव–सिद्धान्त	50(60) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों मे करें ।
2 सभी प्रश्नों मे दो विकल्प दिए जायें ।

सप्तम पत्र: निबन्ध तथा व्युत्पत्ति

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	निबन्ध किसी एक दार्शनिक विषय से सम्बन्ध	50 (70) अंक
2	व्युत्पत्ति दर्शन विषयक ज्ञान का परीक्षण	30 (30) अंक

क्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों मे करें ।
2 सभी प्रश्नों मे दो विकल्प दिए जायें ।

अष्टम पत्र : दर्शन शास्त्र का इतिहास

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 दर्शन शास्त्र का इतिहास 40 (50)
2 निबन्ध तथ व्युत्पत्ति 40(50)

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

साहित्यदर्शन– प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र : गद्य तथा चम्पू

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 वासवदत्ता ,सुबन्धु, सम्पूर्ण 20 (25) अंक
2 हर्षचरित,बाण भट्ट,पंचम उच्छ्वास 20 (25) अंक
3 नैषधीय चरित,श्रीहर्ष,1,2 सर्ग 20 (25) अंक
4 रामायण चम्पू,भोजराज, सम्पूर्ण 20 (25) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

द्वितीय पत्र : नाटक एवं नाट्य शास्त्र

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 मुद्राराक्षस, विशाखदत्त 30 (35) अंक
2 भरत नाट्यशास्त्र 6–7 अभिनव भारती सहित 20 (30) अंक
3 प्राकृत प्रकाश वररुचि 30 (35) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जाये ।

तृतीय पत्र : काव्य शास्त्र

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 ध्वन्यालोक, आनन्दवर्धनाचार्य प्रथम द्वितीय उद्योग लोचन सहित 40 (50) अंक
2 अलंकार सर्वस्व,रुय्यक 40 (50) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 **परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख** कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

चतुर्थ पत्र : विशेष कवि का अध्ययन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

बाल्मीकि या कालिदास

साहित्यदर्शन– द्वितीय वर्ष 80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठो में करें ।

2 सभी प्रश्नों मे दो विकल्प दिए जायें ।

पंचम पत्र : काव्य शास्त्र

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

रसगंगाधर,पण्डितराज जगन्नाथ
प्रथम आनन –सम्पूर्ण 40 (50) अंक
ध्वन्यालोक ,आनन्द वर्धन तृतीय 40 (50) अंक
तथा चतुर्थ उद्योत लोचन सहित

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

षष्ठ पत्र : साहित्य– समीक्षा

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 वक्रोक्ति जीवित–कुन्तक 60 (75) अंक
2 औचित्य विचार चर्चा,क्षेमेन्द्र 20 (25) अंक

रीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों मे दो विकल्प दिए जायें ।

सप्तम पत्र : निबन्ध तथा व्युत्पत्ति

पूर्णांक
रेगुलर -- 80
प्राईवेट -- 100

1	निबन्ध,साहित्य शास्त्रीय	35 (50) अंक
2	व्युत्पत्ति प्रदर्शन	15 (20) अंक
3	पद्य रचना अथवा समस्या पूर्ति	10 (10) अंक
4	काव्य मीमांसा ,राजशेखर अध्याय 1,4,5,11,18	20 (20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :-

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियो के लिए अंकों का उल्लेख कोष्टों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

अष्टम पत्र : काव्य शास्त्र

पूर्णांक
रेगुलर -- 80
प्राईवेट -- 100

1	संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास	50(60) अंक
2	पाश्चात्य काव्य शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास सहायक ग्रन्थ : पाश्चात्य काव्य शास्त्र की परम्परा ,नोन्द्रा	30(40)अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :-

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियो के लिए अंकों का उल्लेख कोष्टो में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जाये ।

सहायक ग्रन्थ :

1	पाश्चात्य काव्य शास्त्र की परम्परा :	सम्पादक डॉ0 नगेन्द्र, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली 1
2	संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास:	पी0वी0कार्ण,अनुवाद इन्द्रचन्द्र शास्त्री,मोतीला बनारसीदास दिल्ली 1
3	संस्कृत काव्य का इतिहास:	भाग1-2 डॉ0 सुशीलकुमार डे, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी पटना-3

ज्योतिषाचार्य –प्रथम वर्ष

पूर्णांक
रेगुलर – 8
प्राईवेट – 10

प्रथम पत्र : सारावली 1 से 30 अध्याय

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठो में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

द्वितीय पत्र :

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 लघु पराशरी 40(50) अंक
2 नरपति जया चर्या स्वरोदयाए सर्वतो भद्र चक्र पर्यान्ता 40(50) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नो में दो विकल्प दिए जाये ।

तृतीय पत्र : बृहद् सहिता

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अकों का उल्लेख कोष्ठो में करे ।
2 सभी प्रश्नो में दो विकल्प दिए जाये ।

चतुर्थ पत्र सिद्वान्त शिरोमणी गणिताध्याय स्पष्टाधिकारन्ता)

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठो में करे ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

ज्योतिषाचार्य – द्वितीय वर्ष

पंचम पत्र : जातक पारिजात् राजयोगा अध्याय पर्यान्ता

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियो के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठो में करे ।
2 सभी प्रश्नो में दो विकल्प दिए जायें ।

षष्ठ पत्र :

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	भावकौतुहलम्	40(50) अंक
2	पंचस्वरी प्रजाति दास विरचिता	40(50) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

सप्तम पत्र :

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	बृहद् वास्तुगाला, पं0 राम निहोर द्विवेदी	40(50) अंक
2	आर्य भट्टीयम्	40(50) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

अष्टम पत्र :

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	ज्योतिष शास्त्र का इतिहास	40(50) अंक
2	स्वरशास्त्री निबन्ध	40(50) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।